आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 07 लखनऊ, शुक्रवार 21 मई से 27 मई, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

मुख्यमंत्री योगी नें मुफ्त राशन वितरण अभियान की शुरुआत की

लखनऊ। कोरोना संक्रमण महामारी को देखते हुए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार आज से १४.७१ करोड़ राशन कार्डधारकों को निशुल्क राशन का वितरण कराएगी. आयुक्त खाद्य एवं रसद मनीष चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के इस चरण में पोर्टेबिलिटी के तहत २० से ३१ मई तक निशुल्क राशन दिया जाएगा.इसके तहत प्रति यूनिट ५ किलो राशन जिसमें ३ किलो गेहूं और २ किलो चावल दिया जाएगा. वन नेशन, वन कार्ड योजना के तहत लाभार्थियों व प्रवासी मजदूरों को भी उचित मूल्य की दुकान से राशन लेने की सुविधा होगी. साथ ही जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा. कोरोना से कई बच्चों के सिर से मां–बाप का साया उठ गया. ऐसे निराश्रित और अनाथ बच्चों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बड़ा फैसला लिया है. यूपी में कोरोना संक्रमण की वजह से जिन बच्चों के माता–पिता का देहांत हो गया है, उनके भरण–पोषण सहित सभी तरह की जिम्मेदारी

राज्य सरकार निभाएगी. इस बारे में सीएम ने महिला बाल विकास विभाग को तत्काल विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए है. कोविड प्रबंधन को लेकर टीम–९ के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने यह बड़ा फैसला लिया. मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के बीच अनाथ अथवा निराश्रित हुए बच्चे राज्य की संपत्ति हैं. कोरोना की वजह से जिन बच्चों के माता–पिता का देहांत हो गया है, उनके भरण–पोषण सहित सभी तरह की जिम्मेदारी राज्य सरकार द्वारा मुहैया कराई जाएगी. उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग को इस संबंध में तत्काल विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने ऐसे बच्चों को चिन्हित कर उन्हें सहारा प्रदान करने का निर्देश दिया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अब सभी जिलों में ऐसे बच्चों को चिन्हित करने के लिए सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा. इनमें वे बच्चे भी शामिल हैं, जिनके परिजनों की कोरोना संक्रमण की जांच नहीं हो सकी, लेकिन माता–पिता का किन्ही भी वजहों से निधन हो गया. उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में ऐसे बच्चों को चिन्हित करने का सिलसिला शुरू भी हो गया है. अब तक १२ बच्चे ऐसे मिले हैं, जिनके माता–पिता का निधन कोरोना महामारी के दौरान हुआ.

पिछले २४ घंटों के दौरान कोविड-१९ से २३८ और लोगों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले २४ घंटों के दौरान कोविड–१६ से २३८ और लोगों की मौत हो गई तथा ६७२५ और लोगों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक पिछले २४ घंटों के दौरान राज्य में कोविड–१६ से २३८ और लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही राज्य में इस वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर १८५८८ हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा २१ मौतें राजधानी लखनऊ में हुई हैं। इसके अलावा वाराणसी में १६, गाजीपुर में १५, आगरा में १२ तथा मेरठ और कानपुर नगर में ११–११ मरीजों की मौत हुई है। इसी दौरान राज्य में ६७२५और लोगों में कोविड–१६ संक्रमण की पुष्टि हुई है। हालांकि इसी अवधि में इस महामारी के१३५६० मरीज ठीक भी हुए हैं। सबसे ज्यादा ४४२ नए मामले मेरठ में मिले हैं। इसके अलावा वाराणसी में ३८१, गाजियाबाद में ३६४, लखनऊ में ३५३, गोरखपुर में ३३१, गौतम बुद्ध नगर में २३६, बुलंदशहर में २३६, मुरादाबाद में २१८ और सहारनपुर में २०८ और लोगों में

कोविड–१६ संक्रमण की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में इस वक्त कोविड–१६ के ११६४३४ मरीजों का इलाज किया जा रहा है। पिछले २४ घंटों के दौरान राज्य में २६११५६ नमूनों की जांच की गई। राज्य में अब तक चार करोड़ ५८ लाख २२ हजार ४०६ नमूनों की जांच की जा चुकी है।

हवा में १० मीटर तक फैल रहा है वायरस

कोरोना वायरस का संक्रमण शुरू हुए एक साल से ज्यादा हो गया है पर अभी तक पक्के तौर पर यह नहीं पता चला है कि यह कैसे–कैसे फैल सकता है। भारत में अब कहा जा रहा है कि कोरोना वायरस किसी भी संक्रमित व्यक्ति की छींक या खांसी उसके एयरोसोल से १० मीटर की दूरी तक फैल सकता है। इससे पहले ड्रॉपलेट्स के जरिए इसके फैलने की बात थी और कहा गया था कि यह दो मीटर तक जाता है। सरकार ने गुरुवार को इसे लेकर नई एडवाइजरी जारी की, जिसमें कोरोना से बचाव के उपाय बताए गए हैं। भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के विजयराघवन के ऑफिस से जारी नए दिशा–निर्देशों में कहा गया है कि जिन लोगों में कोरोना के लक्षण नजर नहीं आते, वे भी संक्रमण फैला सकते हैं। इसलिए लोग कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करें। सरकार की तरफ से स्टॉप द ट्रांसमिशन, क्रश द पैनडेमिक के नाम से जारी किए गए दस्तावेज में खास तौर से वेंटिलेशन की अहमियत पर जोर दिया गया है। सरकार के दिशा–निर्देश में कहा गया है कि जिन जगहों पर वेंटिलेशन यानी

हवा आने–जाने की अच्छी सुविधा होती है, वहां किसी संक्रमित से दूसरे में संक्रमण फैलने का खतरा कम रहता है। साथ ही कहा गया है कि खिड़की–दरवाजे बंद रख कर एसी चलाने से कमरे के अंदर संक्रमित हवा इकट्ठी हो जाती है और दूसरे लोगों को संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। सरकार ने कहा है कि संक्रमित व्यक्ति की नाक से ड्रॉपलेट्स और एयरोसोल के रूप में निकलने वाले सलिवा और डिस्चार्ज संक्रमण फैलने की मुख्य वजह होते हैं, लेकिन बाहर की हवा अंदर आ रही है तो संक्रमण का खतरा कम हो जाता है। सरकार की तरफ से जारी एडवाइजरी में यह भी बताया गया है कि संक्रमित के ड्रॉपलेट्स अलग–अलग सतहों पर लंबे समय तक रह सकते हैं। इसलिए दरवाजों के हैंडल, लाइट के स्विच, टेबल–कुर्सी और फर्श को ब्लीच और फिनाइल जैसे डिसइन्फेक्टेंट्स से साफ करते रहें। सरकार ने कहा है कि लोगों को डबल लेयर या फिर एन–९५ मास्क पहनने चाहिए। ये ज्यादा से ज्यादा बचाव करते हैं। अगर डबल मास्क पहन रहे हैं तो पहले सर्जिकल मास्क पहनें, फिर इसके ऊपर टाइट फिटिंग वाला कपड़े का मास्क लगाएं। किसी के पास सर्जिकल मास्क नहीं है तो वे कॉटन के दो मास्क पहन सकते हैं।

यूपी के स्कूल इस सेशन में फीस नहीं बढ़ा सकेंगे : दिनेश शर्मा

लखनऊ। यूपी के स्कूल शैक्षणिक सत्र २०२१–२२ में फीस में वृद्धि नहीं कर सकेंगे। प्रदेश में संचालित सभी बोर्डों के समस्त विद्यालयों पर ये आदेश लागू होगा। विद्यालय बन्द रहने की अवधि में परिवहन शुल्क भी नहीं देना होगा। साथ ही छात्र ३ माह की अग्रिम फीस देने में परेशानी होने पर मासिक फीस दे सकेंगे। यूपी के डिप्टी सीएम और शिक्षा मंत्री दिनेश शर्मा ने कहा, "यूपी के स्कूल इस सेशन में फीस नहीं बढ़ा सकेंगे, स्कूल में अफलाइन परीक्षा नहीं हो रही है तो परीक्षा फीस भी नहीं लिया जाएगा। खेल, लैब, लाइब्रेरी, कम्प्यूटर, वार्षिक फंक्शन जैसी गतिविधियां नहीं हो रही हैं तो उनका शुल्क भी नहीं लिया जा सकेगा। वहीं, यूपी में आज से अनलाइन क्लासेस शुरू हो गई। कोरोना वायरस के कहर को देखते हुए सरकार के आदेश के मुताबिक कक्षा ६वीं से १२वीं तक और यूनिवर्सिटी में अनलाइन क्लासेस शुरू हो गई हैं। इस संबंध में आज अनएडेड स्कूल एसोसिएशन ने अपने कुछ सदस्यों के साथ अनलाइन बैठक बुलाई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने बताया कि सभी विद्यालय वित्तीय संकट से जूझ रहे है और हम अनलाइन पढ़ाई करवा रहे हैं। उसमें अफलाइन से ज्यादा खर्च हो रहा है, इस पर सरकार को विचार करना चाहिए । उन्होंने कहा हम इस मामले पर अपना भी पक्ष जारी करेंगे।

डोर टू–डोर गांवों में कराया जा रहा सेनेटाइजर

लखनऊ। गांवों में कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए वृहस्पतिवार को खंड विकास अधिकारी मोहनलालगंज अजीत सिंह के निर्देश पर सचिव साधना रावत के द्वारा रघुनाथ खेड़ा एवं भावा खेड़ा की ग्राम पंचायतों मे आनंदी फाउंडेशन की मदद से ट्रैक्टर टैंकर द्वारा सैनिटाइजर का छिड़काव कराया , इस दौरान दोनों पंचायतों में डोर टू डोर रघुनाथ खेड़ा प्रधान पति राकेश यादव एवं भावा खेड़ा प्रधान अवधेश ने आनंदी फाउंडेशन की मदद से सैनिटाइजर का छिड़काव किया गया । ग्राम सचिव साधना रावत ने बताया कि डोर टू डोर दोनों पंचायतों में सैनिटाइजर कराया गया है ।

सम्पादकीय

देश की असल समस्या

कोरोना महामारी आने के पहले ही भारतीय अर्थव्यवस्था की जड़ें कमजोर हो चुकी थी। पिछले महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन ने अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी। क्या असर हुआ, इसे अलग–अलग क्षेत्रों में जो हुआ उससे समझा जा सकता है। देश का मध्य वर्ग एक तिहाई सिकुड़ गया। २३ करोड़ गरीबी रेखा के नीचे वापस चले गए। जिन महिला कर्मियों का रोजगार छूटा, उनमें से ज्यादातर आज तक वापस नहीं आ सकी हैं। इन सबका उपभोग और मांग पर जो असर हुआ, वह हम सबके सामने है। उसके बाद अब आई महामारी की दूसरी लहर कहां तक नुकसान पहुंचाएगी, इसका अभी अंदाजा ही लगाया जा सकता है। लेकिन अनुमान लगाने की ऐसी हर कोशिश सिहरन पैदा करती है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने उचित ही कहा है कि स्वतंत्रता के बाद कोविड–१६ महामारी देश की शायद सबसे बड़ी चुनौती है। ये चुनौती इस कारण और गंभीर हो गई है क्योंकि सरकार लोगों की मदद के लिए मौजूद नहीं है। जबकि भारत को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्रों को संभालने के लिए तुरंत कदम उठाने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि ये बात लगातार कही जा रही है। लेकिन यह सरकार की प्राथमिकताओं में नहीं है। उसका ध्यान अभी सप्लाई साइड में पहल करने से नहीं हटा। तो जब सरकार ने मांग बढ़ाने की जरूरत ही नहीं समझी है, तो फिर इसमें सुधार आखिर कैसे होगा। राजन ने कहा है कि जब महामारी पहली बार आई, तो लकडाउन की वजह से चुनौती मुख्य रूप से आर्थिक थी। लेकिन अब चुनौती आर्थिक और व्यक्तिगत दोनों ही है। इसमें एक सामाजिक तत्व भी शामिल है। उन्होंने यह बिल्कुल ठीक कहा कि महामारी के बाद अगर हम समाज के बारे में गंभीरता से सवाल नहीं उठाते हैं, तो यह त्रासदी और बड़ी हो जाएगी। असल में जरूरत पहले सच को स्वीकार करने की है। लेकिन जब वैक्सीन विदेश क्यों भेजा जैसे साधारण सवाल उठाने वालों को जेल भेजा जा रहा हो, तो फिर बोलने की आजादी या सच के मुताबिक कदम उठाने की बात कहां मौजूं रह जाती है। हैरतअंगेज है कि ऐसे मौके पर सरकारी पक्ष और सरकारी माध्यम असीमित सकारात्मक भावना की बात कर रहे हैं। गौर करें, तो देश की असल समस्या यही है।

कोरोना की रोकथाम के लिए सीएम योगी द्वारा किये गये कार्यों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संतोष जताया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कोरोना की रोकथाम के लिए लगातार प्रयासरत हैं। कोरोना की रोकथाम के लिए जो भी आवश्यक कदम हैं वो उठा रहे हैं। जिसका परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में कोरोना की रफ्तार पहले से धीमी हुई है। नये केस कम होने के साथ मौत का आंकड़ा भी अब धीरे–धीरे कम हो रहा है। योगी सरकार के कोविड प्रबंधन की सराहना विश्व स्वास्थ्य संगठन और नीति आयोग पहले ही कर चुका है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे लेकर संतोष जताया है। अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के साथ ही प्रधानमंत्री ने पूरे उत्तर प्रदेश की स्थिति की जानकारी ली। मुख्य सचिव आरके तिवारी द्वारा दी गई रिपोर्ट से संतुष्ट होकर उन्होंने यूं ही काम करते रहने के लिए प्रेरित किया। प्रदेश के जिन शहरों में पिछले दिनों संक्रमण तेजी से फैला, उनमें पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी भी शामिल रहा। अब स्थिति में धीरे–धीरे सुधार हो रहा है। मोदी ने वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश मुख्य सचिव और वाराणसी के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से वहां की स्थिति की समीक्षा की। बकौल मुख्य सचिव, उन्होंने पीएम को वाराणसी में कोरोना नियंत्रण की विस्तृत रिपोर्ट देने के साथ ही प्रदेश में कोविड प्रबंधन के तहत किए जा रहे काम की जानकारी दी। उन्हें

बताया कि अब यूपी की संक्रमण दर ३.२ फीसद रह गई है, जबकि रिकवरी दर बढ़कर ६० फीसद से अधिक हो गई है। उन्हें बताया कि सरकार गांवों को संक्रमण से बचाने के लिए गांव–गांव सर्वे करा रही है। ग्रामीणों की जांच कराई जा रही है। हर गांव में क्वारंटाइन सेंटर बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद भी लगातार जिले और वहां के गांवों का दौरा कर भौतिक जायजा ले रहे हैं। इन सारे प्रयासों की प्रधानमंत्री ने सराहना की। सुधार की स्थिति पर संतोष जताया और अधिकारियों को इसी तरह काम करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते २४ घंटो में राज्य में कोरोना संक्रमण के कुल ७,३३६ मामले आए हैं। यह संख्या २४ अप्रैल को आए ३८०५५ मामलों से लगभग ३० हजार कम है। पिछले २४ घंटों में १६,६६६ संक्रमित व्यक्ति उपचार के बाद डिस्चार्ज हुए हैं। वर्तमान में राज्य में कोरोना संक्रमण के एक्टिव मामलों की संख्या १,२३,५७६ है, जो ३० अप्रैल, २०२१ की अधिकतम एक्टिव मामलों की संख्या ३,१०,७८३ से १.८७ लाख कम है। इस प्रकार ३० अप्रैल के सापेक्ष वर्तमान में अधिकतम एक्टिव मामलों की संख्या में ६६ फीसदी की कमी आई है।

पंचायत चुनाव में शिक्षकों की मौत को लेकर मायावती ने योगी सरकार पर साधा निशाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने योगी सरकार पर निशाना साधा है। बसपा नेता ने ट्वीट कर कहा कि यूपी में पंचायत चुनाव की ड्यूटी निभाने वाले शिक्षकों व अन्य सरकारी कर्मचारियों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत की शिकायतें आम हो रही हैं, लेकिन इनकी सही जांच न होने के कारण इन्हें उचित सरकारी मदद भी नहीं मिल पा रही है, जो घोर अनुचित है। सरकार इस पर तुरन्त ध्यान दे।'' गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के

शिक्षक संगठनों ने राज्य में हाल में हुए पंचायत चुनाव में ड्यूटी करने वाले १,६२१ शिक्षकों, शिक्षामित्रों तथा अन्य विभागीय कर्मियों की मृत्यु का दावा करते हुए सभी के परिजन को एक–एक करोड़ रुपए के मुआवजे और आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी ने इस दावे को गलत ठहराते हुए मंगलवार को कहा था कि स्थापित मानकों के हिसाब से देखें, तो चुनाव ड्यूटी के दौरान सिर्फ तीन शिक्षकों की मौत हुई है।

मुख्तार अंसारी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में दर्ज मुकदमें को एमपी–एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित करने की मांग

लखनऊ। मऊ सदर विधानसभा सीट से बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के खिलाफ दक्षिणटोला थाने में गैंगस्टर में दर्ज मुकदमे को एमपी–एमएलए कोर्ट प्रयागराज में स्थानांतरित करने की मांग की गई है। इस संबंध में

विशेष लोक अभियोजक ने विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर कोर्ट मे प्रार्थना पत्र दिया है। जिस पर विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट राम अवतार प्रसाद ने मुख्तार अंसारी के अधिवक्ता को अपना पक्ष रखने के लिए प्रार्थना पत्र की कपी उपलब्ध कराने का आदेश दिया। साथ ही मामले मे सुनवाई के लिए २५ मई की तिथि तय की है। बता दें कि इस मामले में विशेष लोक अभियोजक ने कोर्ट मे प्रार्थना पत्र दिया कि मुख्तार अंसारी मऊ जिले के सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। सरकार ने ऐसे लोगों के मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए एमपी–एमएलए कोर्ट स्थापित किया है। वर्तमान में मामले की विवेचना चल रही है। ऐसे मे मुख्तार अंसारी के मामले को एमपी–एमएलए कोर्ट मे स्थानांतरित कर दिया जाए। अभियोजन के अनुसार, दक्षिण टोला थाने मे मुख्तार अंसारी सहित कई लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिसमें गत दिनों वीडिओ कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्तार अंसारी की गैंगस्टर कोर्ट मे पेशी भी हुई। विशेष न्यायाधीश गैंग्स्टर एक्ट राम अवतार प्रसाद ने विवेचक की ओर से पेश की गई न्यायिक अभिरक्षा की अर्जी को स्वीकार कर गैंग्स्टर एक्ट के मामले मे मुख्तार अंसारी को न्यायिक अभिरक्षा में ले लिया।

अखिलेश यादव ने टीकाकरण अभियान में अस्पष्ट नीति और अव्यवस्थाओं को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा

लखनऊ। समाजवादी पाटी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने टीकाकरण अभियान में अस्पष्ट नीति और अव्यवस्थाओं को लेकर आज योगी सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान में अस्पष्ट नीति और अव्यवस्थाओं के चलते हर तरफ अफरातफरी का माहौल है। भाजपा की वाहवाही लूटने और जनता को गुमराह करने की आदत के कारण ही लोगों को तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ा और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी बुरा असर पड़ा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार का टीका उत्सव कहां मनाया जा रहा है, गांवों के लोग उसे ढूंढ रहे हैं। शहरों के टीका केंद्रों में टीकाकरण सुस्त चाल से चल रहा है। लोगों को समय से

कहा–कब टीकाकरण होगा इसकी सूचना तक नहीं मिल पा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा ने इस बात पर एतराज जताया था कि जब डीसीजीआई द्वारा प्रमाणीकरण और ट्रायल की पूरी व्यवस्था न होने पर भी केन्द्र सरकार वैक्सीन आने की घोषणा में जल्दबाजी क्यों कर रही है। समाजवादी पाटी बराबर इस पर जोर देती आयी है कि मुख्यमंत्री इधर उधर की बयानबाजी करना बंद करें और भाजपा सरकार का पूरा ध्यान टेस्टिंग और वैक्सीन पर लगे। इस संबंध में तेजी से काम होना चाहिए। सपा की मांग है कि सभी नागरिकों को निरूशुल्क टीकाकरण का लाभ मिलना चाहिए। इसके लिए विदेश से भी वैक्सीन मंगवाई जाए तथा देश में वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने की क्षमता बढ़ाई जाए। सभी युवाओं बच्चों के लिए भी टीके की व्यवस्था पर अभी से ध्यान दिया जाना चाहिए।

गांव में गठित निगरानी समितियों द्वारा गांव में भ्रमण कर युद्ध स्तर पर शुरू हुआ कार्य

लखनऊ। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश के कुशल नेतृत्व में कोविड–१९ की बीमारी के प्रभावी नियंत्रण हेतु युद्ध स्तर पर कार्य शुरू किया गया..गांव गांव में

गठित निगरानी समितियों के द्वारा लगातार पूरे गांव में भ्रमण सील रहते हुए घर–घर पर प्रत्येक नागरिक के स्वास्थ्य की जांच एवं गांव में सैनिटाइजेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है इसी क्रम में आज ब्लक काकोरी के ग्राम खुशालगंज फतेहगंज हरदोईयालालनगर प्यारेपुर में निगरानी समिति की बैठक करके संपूर्ण गांव को कोरोना मुक्त गांव बनाने हेतु उप जिलाधिकारी सरोजनी नगर संतोष कुमार एवं तहसीलदार सरोजनी नगर उमेश कुमार सिंह के द्वारा अपनी निगरानी में इन गांव में सैनिटाइजेशन का कार्य के साथ घर घर स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं एंटीजन टेस्ट के साथ–साथ आरटी पीसीआर टेस्ट एवं दवा वितरण का कार्य पूरी सक्रियता के साथ कराया गया।

मोहनलालगंज में चलाया गया वृहद स्तर पर सफाई अभियान

लखनऊ। कोविड–१६ नियन्त्रण अभियान के तहत विकास खण्ड मोहनलालगंज के रघुनाथ खेड़ा, परे हटा व अचलीखेड़ा में सेनेटाइजेसन का कार्य किया गया. ग्राम पंचायत समेसी, कुबहरा

पचौरी सहित कई गांवो में सीएचसी मोहनलालगंज की त्त्ज टीमों द्वारा लोगो को कोविड–१६ के प्रति जागरूक करते हुए मौके पर जांच की गई व सैम्पल भी लिए गये. मौके पर उप जिलाधिकारी विकास कुमार सिंह सामुदायिक केंद्र प्रभारी डॉक्टर ज्योति कामले खण्ड विकास अधिकारी अजीत कुमार सिंह, तहसील कर्मचारी एडीओं पंचायत सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे. सभी सफाई टीमों के कार्यकर्ताओ ने समेसी सहित सभी ग्राम पंचायत में बृहद स्तर पर सफाई अभियान चलाते ब्लीचिंग का छिड़काव किया गया. खण्ड विकास अधिकारी मोहनलालगंज अजीत कुमार सिंह ने बताया कि सभी सचिवों को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि सभी पंचायत में दवाओं की किट कोविड प्रभावित परिवारों एवं मिलते जुलते लक्षण वाले परिवार को शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया जाय. सभी सफाई कर्मचारियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराईं जाय. निगरानी समितियों को लगातार सक्रिय रखा जा रहा है. घर घर जाकर सर्वेक्षणध्परीक्षण का कार्य बराबर जारी है.

लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो.आलोक कुमार राय को मिला सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय का अतिरिक्त प्रभार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को सम्पूर्णानन्द संस्क त विश्वविद्यालय, वाराणसी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। बता दें कि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के वर्तमान कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल का कार्यकाल २३ मई, २०२१ को समाप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के नियमित कुलपति की नियुक्त में कुछ समय लगने के कारण वर्तमान कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दुबे का कार्यकाल नियमित कुलपति की नियुक्त होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो, विस्तारित किया है।

यूपी में ब्लैक फंगस का कहर, मेरठ में 24 और नए मरीज मिले

लखनऊ। यूपी में ब्लैक फंगस का कहर तेजी से बढ़ रहा है। यहां करीब १५० मामले सामने आ चुके हैं। सबसे ज्यादा लखनऊ और मेरठ ब्लैक फंगस से प्रभावित है। लखनऊ में अब तक ५५ और मेरठ में ५२ मरीजों में ब्लैक फंगस की पुष्टि हो चुकी है। वाराणसी में ३० से ज्यादा मरीज सामने आ चुके हैं। लखनऊ में केजीएमयू में १८ घंटे में चार मरीजों की सांसें थम गई। अब तक ५५ मरीजों में ब्लैक फंगस की पुष्टि हो चुकी है। इनमें सात मरीजों की मौत हो चुकी हैं। केजीएमयू में ब्लैक फंगस के ३४ मरीज भर्ती हैं। सोमवार रात से मरीजों की मौत का सिलसिला शुरू हुआ जो मंगलवार शाम तक जारी रहा। इनमें रायबरेली निवासी ४० वर्षीय महिला, अयोध्या की ५२ वर्षीय महिला और लखीमपुर खीरी निवासी ५० वर्षीय महिला की जान चली गई। हरदोई के ३७ वर्षीय पुरुष ने भी इसी बीमारी से दम तोड़ दिया। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह के मुताबिक मंगलवार

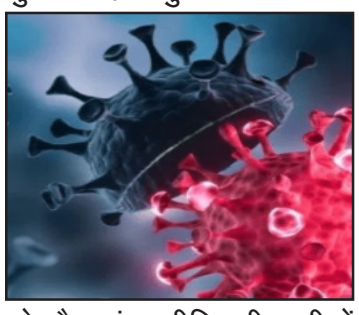

को ब्लैक फंगस पीड़ित तीन मरीजों को भर्ती किया गया है। वहीं चार मरीजों के ऑपरेशन किए गए हैं। ब्लैक फंगस को हरा चुके एक मरीज को डिस्चार्ज किया गया है। उधर मेरठ जिले में ब्लैक फंगस (म्यूकोर माइकोसिस) से संक्रमित मरीज मिलने का सिलसिला जारी है। बुधवार को २४ और मरीजों का पता चला है। इस बीच लोकप्रिय अस्पताल में फलावदा थाना क्षेत्र के रहने वाले ब्लैक फंगस के एक और संदिग्ध मरीज की मौत भी हो गई। अब तक जिले में भर्ती इन मरीजों की संख्या ५२ पहुंच गई हैं। इस गंभीर रोग की चपेट में आए आठ मरीजों का इलाज मेडिकल कॉलेज, पांच का आनंद अस्पताल, दो का लोकप्रिय, चार का निजी अस्पतालों के यहां और अन्य अस्पतालों में चल रहा है। यह मरीज मेरठ के अलावा हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, गाजियाबाद, शामली और मुरादनगर आदि के रहने वाले हैं। इनमें से कुछ मरीजों को कोरोना संक्रमण भी हैं। डॉ. पुनीत भार्गव ने बताया कि उनके क्लीनिक पर चार मरीजों का इलाज चल रहा है।

कोविड टेस्ट के लिए अब नहीं लगाने होंगे चक्कर, कल से ११ टेस्टिंग वैन घर–घर जाकर करेगी जांच

लखनऊ। राजधानी के लोगों को अब कोविड जांच कराने के लिए इधर–उधर नहीं भटकना पड़ेगा। जनता की सुविधा के लिए जिला प्रशा सन ने पहल करते हुए २१ मई से ११ कोविड टेस्टिंग वैन चलाने का निर्णय लिया है। जो घर–घर जाकर लोगों का सैम्पल लेकर कोविड की जांच करेंगी। राजधानी में टेस्टिंग बढ़ाने, लोगों को आसानी से टेस्ट फैसिलिटी उपलब्ध कराने व समय से टेस्ट रिजल्ट पोर्टल पर अपडेट कराने के उद्देश्य से बुधवार को स्मार्ट सिटी सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने बैठक कर समस्त लैबों के पदाधिकारियों के साथ विचार–विमर्श किया। जिलाधिकारी ने बताया कि बैठक में आए लाइफ केयर, पालीवाल, अमा डाइग्नोस्टिक, समभावी डाइग्नोस्टिक, आरएमएल, चरक व चन्दन डायगनोस्टिक द्वारा १–१ वैन और जिला प्रशासन द्वारा ४ वैन २१ मई से चलायी जाएंगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी लैब अपने यहां आने वाले रोगियों से उनका सही मोबाइल नम्बर और पूरा पता फीड कराएं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अलगेंअलग मोबाइल नम्बर देकर बारेंबार टेस्ट कराते हैं। जिससे अनावश्यक रूप से कोविड रोगियों की संख्या पोर्टल पर बढ़ जाती है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी लैब नेगेटिव और पजिटिव टेस्ट रिजल्ट सेम डे पोर्टल पर अपडेट कराएं। उन्होंने कहा कि निर्धारित दरों से अधिक टेस्टिंग फीस लेने पर एपेडेमिक एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पति को मौत के घाट उतारने वाली पत्नी हुई गिरफ्तार

लखनऊ। इंस्पेक्टर थाना गोसाईं गंज अमरनाथ वर्मा के नेतृत्व में गठित पुलिस व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने बुधवार को मृतक मजदूर रामसजीवन की हत्या में शामिल मृतक की पत्नी व प्रेमी तथा उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया इंस्पेक्टर थाना गोसाई गंज अमरनाथ वर्मा ने बताया कि दिनांक ११मई२०२१ को रवि कुमार पुत्र राम सजीवन निवासी ग्राम रानीखेडा मजरा बखारी थाना गोसाईगंज लखनऊ ने सूचना दिया कि मेरे पिता राम सजीवन (४०) पुत्र जोधा की गांव के बाहर हुये प्लाटिंग पर अज्ञात लोगों द्वारा ईंट से मारकर व गला दबाकर हत्या कर दिया गया है। इस सूचना पर धारा ३०२ आईपीसी के तहत अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर एडीसीपी के हत्याकांड के जल्द खुलासे के निर्देश पर पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम जांच में जुट गई। मुकदमा की विवेचना में गहन साक्ष्य एकत्रित कर व क्राइम ब्रांच टीम की मदद से हत्याकांड का खुलासा किया गया। इंस्पेक्टर अमरनाथ वर्मा ने बताया कि विवेचना में यह प्रकाश आया कि मृतक राम सजीवन का अपनी पत्नी फूलमती के चाल–चलन को लेकर दोनों में विवाद रहता था। जिस कारण से वह पत्नी व बच्चों से अलग उसी गांव में ही बने दूसरे पुराने मकान में रहता था किन्तु मृतक की पत्नी फूलमती के घर पर अक्सर बाहरी लोगों का आना जाना बना रहता था, इस बात को लेकर मृतक राम सजीवन ने इसका कई बार विरोध किया कि घर में बड़ी बेटियां हैं ऐसा करने से बदनामी होगी पर वह अपने आदत से बाज नहीं आ रहा थी। इसी बीच अभियुक्त कल्याण पुत्र जवाहर नि. ग्राम बखारी थाना गोसाईगंज लखनऊ का भी इसके घर आना जाना बना रहता था। फूलमती ने कल्याण से पूरी बात बतायी इस पर कल्याण ने अपने आपराधिक प्रवृत्ति के दोस्त सतीश पुत्र किशन नि. सुरियामऊ थाना गोसाईगंज लखनऊ व सूरज रावत पुत्र कमलेश नि. रानीखेडा थाना गोसाईगंज लखनऊ व नीरज पुत्र राम गोपाल नि. सुरियामऊ थाना गोसाईगंज लखनऊ के साथ लेकर अभियुक्ता द्वारा उपरोक्त अभियुक्तगणों के साथ मिलकर दिनांक ११मई २०२१ की रात्रि में घर के अन्दर गला दबाकर हत्या कर दिया तथा शव को हत्या के बाद गांव से बाहर लाकर प्लाट पर डालकर अपनी भडास निकालने के लिये फूलमती ने ईंट से चेहरे पर कई बार वार कर कूंच दिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि अभियुक्तगणों को १६ मई २०२१ को पुलिस व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम जिसमें महिला पुलिस कर्मी भी शामिल द्वारा गिरफ्तार कर थाने लाया गया। जहां से उपरोक्त हत्या के दर्ज मुकदमें में गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर एससीध्एसटी एक्ट की सहित अन्य धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए महिला व चार अन्य अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया इंस्पेक्टर थाना गोसाईगंज अमरनाथ वर्मा ने बताया कि मजदूर राम सजीवन हत्याकांड में गिरफ्तार किए गए अभियुक्त सतीश पुत्र किशन निवासी ग्राम सुरिया मऊ थाना गोसाईगंज लखनऊ के विरुद्ध मोहनलालगंज थाने पर विभिन्न धाराओं में तीन मुकदमें पहले से दर्ज हैं।

कोरोना से अनाथ हुए बच्चों की जिम्मेदारी उठाएगी राज्य सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बड़ा फैसला किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि

कोविड–१६ महामारी के बीच अनाथ अथवा निराश्रित हुए बच्चे राज्य की संपत्ति हैं। बीते २४ घंटो में राज्य में कोरोना संक्रमण के कुल ७,३३६ नये मामले आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते २४ घंटो में राज्य में कोरोना संक्रमण के कुल ७,३३६ मामले आए हैं। यह संख्या २४ अप्रैल को आए ३८०५५ मामलों से लगभग ३० हजार कम है। पिछले २४ घंटों में १६,६६६ संक्रमित व्यक्ति उपचार के बाद डिस्चार्ज हुए हैं। वर्तमान में राज्य में कोरोना संक्रमण के एक्टिव मामलों की संख्या १,२३,५७६ है, जो ३० अप्रैल, २०२१ की अधिकतम एक्टिव मामलों की संख्या ३,१०,७८३ से १.८७ लाख कम है। इस प्रकार ३० अप्रैल के सापेक्ष वर्तमान में अधिकतम एक्टिव मामलों की संख्या में ६६ फीसदी की कमी आई है।

अज्ञात लोगों ने विकलांग की गुमटी में लगाई आग

लखनऊ। थाना क्षेत्र के नंदौली गांव के समीप सड़क के किनारे परजून के समान की गुमटी में बीती रात अज्ञात लोगों द्वारा आग लगा दी गई , लोगों ने काफी प्रयास किया लेकिन तब तक गुमटी एवं छप्पर जलकर राख हो गया । निगोहां क्षेत्र के नंदौली निवासी वसीम खां पैरों से विकलांग है किसी तरह इस गुमटी के सहारे ही पत्नी एवं बच्चें का जीवन यापन चल रहा था । वसीम खां ने बताया कि वह रोज की तरह गुमटी बंद कर गांव के अंदर बनें घर में बच्चों के साथ सोने आ गये तभी मंगलवार की रात को किसी ने मेरी गुमटी में आग लगा दी , जिसमें रखें रूपए एवं हजारों रूपए का परचून का सामान लगभग एक गेहूं ,चावल सहित तख्त सहित छप्पर जलकर राख हो गया। बुधवार की सुबह जिसकी सूचना विकलांग वसीम खान ने निगोहां पुलिस को अज्ञात लोगों के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया है।

प्रियंका–अखिलेश के आरोपों पर शिक्षा मंत्री ने किया पलटवार

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को शिक्षकों की मौत के आंकड़े को लेकर आड़े हाथों लिया है। उन्होंने सरकार के आंकड़ों को झूठ बताते हुये संवेदनहीन कहा। कांग्रेस नेता ने ट्वीट करते हुये कहा कि, शिक्षकों को जीते जी उचित सुरक्षा उपकरण और इलाज नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने लिखा कि, उनकी मौत के बाद भी सरकार अब उनका सम्मान छीन रही है। प्रियंका ने किया ट्वीट प्रियंका गांधी का पूरा ट्वीट इस तरह था। पंचायत चुनाव में ड्यूटी करते हुए मारे गए १६२१ शिक्षकों की उप्र शिक्षक संघ द्वारा जारी लिस्ट को संवेदनहीन यूपी सरकार झूठ कहकर मृत शिक्षकों की संख्या मात्र ३ बता रही है। शिक्षकों को जीते जी उचित सुरक्षा उपकरण और इलाज नहीं मिला और अब मृत्यु के बाद सरकार उनका सम्मान भी छीन रही है। वहीं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी उत्तर प्रदेश सरकार पर जोरदार हमला बोला है। ट्वीट करते हुए लिखा है– उत्तर प्रदेश की निष्ठुर भाजपा सरकार मुआवजा देने से बचने के लिए अब ये झूठ बोल रही है कि चुनावी ड्यूटी में केवल ३ शिक्षकों की मौत हुई है जबकि शिक्षक संघ का दिया आँकड़ा १००० से अधिक है। भाजपा सरकार 'महा झूठ का विश्व रिकॉर्ड' बना रही है। उन्होंने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा है कि परिवारवालों का दुख ये हृदयहीन

भाजपाई क्या जानें। इस पर राज्य सरकार के बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि, चुनाव ड्यूटी के दौरान सिर्फ तीन शिक्षकों का निधन हुआ है। हम उनके परिजनों को मुआवजा देने की कार्यवाही कर रहे हैं। कुछ शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी शिक्षकों की हुई मृत्यु १६२१ बता रहें हैं,जो पूर्णतया गलत और निराधार है। इसी भ्रामक सूचना के आधार पर विपक्ष के नेता ओछी राजनीति कर रहें हैं।जिलाधिकारियों ने केवल तीन शिक्षकों की मौत की सूचना निर्वाचन आयोग की दी है। उनके साथ हमारी पूरी संवेदना है, उनके आश्रितों को ३० लाख रुपये की अनुग्रह राशि और सरकारी नौकरी तथा अन्य देयकों के भुगतान प्राथमिकता के आधार पर होगा। आपको बता दें कि, यूपी में हाल ही में हुये पंचायत चुनाव के दौरान कई शिक्षकों की मौत की खबर थी। वहीं, राज्य के शिक्षक संघ के मुताबिक, १६२१ शिक्षकों ने मतदान ड्यूटी के दौरान दम तोड़ा था। यही नहीं, उन्होंने इस पर विस्तार से सूची भी जारी की है। लेकिन वहीं, सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि चुनाव ड्यूटी के दौरान केवल तीन शिक्षकों की मौत हुई थी। फिलहाल अब ये मुद्दा सियासी रंग लेता दिखाई दे रहा है।

जेल में बंद कैदियों को बाहर के सामान देने पर लगी रोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना के नये केस लगातार सामने आ रहे हैं। नये मामले आने के साथ ही मौत का आंकड़ा भी बढ़ता ही जा रहा है। कोरोना ने यूपी के कई जिलों को अपनी चपेट में ले रखा है। जेल में बंद कैदी भी संक्रमण से अछूते नहीं हैं। वहां पर भी अभी तक कोरोना के काफी संख्या में केस सामने आ चुके हैं। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए प्रदेश के विभिन्न जेलों में बंद कैदियों को बाहर का सामान देने पर रोक लगाई दी गई है। यूपी जेल प्रशासन ने ये निर्णय लिया है। जेल प्रशासन के इस निर्णय के बाद कैदियों के परिजन किसी भी प्रकार का सामान फिलहाल जेल में नहीं दे सकेंगे। अग्रिम आदेशों तक के लिए रोक लगाई गई है।

आजम खान की हालत में सुधार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के रामपुर से सांसद और समाजवादी पार्टी (सपा) के कद्दावर नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्लाह आजम कोरोना से संक्रमित होने के बाद लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। दोनों का इलाज अभी भी जारी है। तबीयत में सुधार को देखते हुए उन्हें आईसीयू से सामान्य वार्ड में शिफ्ट किया गया गया है। उनकी हालत पहले से काफी बेहतर है। डिजीज की सीवियरिटी है, उसी के हिसाब से कोविड प्रोटोकॉल का ध्यान रखते हुए उनका ट्रीटमेंट किया जा रहा है। मेदांता अस्पताल के निदेशक प्रो. राकेश कपूर ने बताया कि आजम खान को पहले की अपेक्षा अब अक्सीजन की कम जरुरत पड़ रही है। उन्हें एक लीटर ऑक्सीजन दिया गया है। आज उनकी तबीयत बेहतर और संतोषजनक है। उनका इलाज सीवियर इन्फेक्शन डिजीज प्रोटोकल के तहत क्रिटिकल केयर टीम के डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में चल रहा है। जब उनकी सीवियरिटी और डिजीज बढ़ी तो उनकी अक्सीजन रिक्वायरमेंट भी बढ़ गई थी, जिसके कारण उनको कोविड वार्ड के आईसीयू में शिफ्ट करना पड़ा और डक्टर की कड़ी निगरानी में रखा गया। वे अभी स्टेबल हैं। वहीं उनके बेटे अब्दुल्लाह आजम की तबीयत पहले से बेहतर हैं। विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में दोनों लोगों का उपचार चल रहा है।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवती का शव हत्या कर फेंके जाने की आशंका

लखनऊ। निगोहां में रेलवे ट्रैक पर एक युवती का छत विछत शव संदिग्ध अवस्था में मिलने पर हड़कंप मच गया । दो धड़ों में युवती का शव देख कर स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी । मौके पर पहुंची निगोहां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर युवती की शिनाख्त के प्रयास किए , किन्तु पुलिस को शिनाख्त में सफलता नहीं मिली । वही ग्रामीण युवती की हत्या कर साक्ष्य को छुपाने के लिए शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक देने की आशंका जता रहे हैं । पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है घटना निगोहां थाना क्षेत्र के बघौना गांव के समीप की है, यहां से निकली रेलवे ट्रैक पर बुधवार की सुबह लगभग १८ वर्षीय युवती का शव दो धड़ों में पाया गया स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और मौके से साक्ष्य एकत्र किया , युवती की शिनाख्त के लिए काफी प्रयास किये पर नहीं हो सकी पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जिससे युवती के मौत के राज से पर्दा उठ सके शव के हालात देखकर युवती की हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए उसके शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया गया , पुलिस मामले के हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की गहनता से जांच में जुटी हुई है । थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नन्द किशोर ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर १८ वर्षीय युवती का दो धड़ों में मिला शव जो मैरून रंग का कुर्ता और काले रंग का सलवार पहनी थी , लेकिन हत्या है या यह कोई हादसा है इन सभी की जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद सामने आएगी।

शोहदों ने की सगी बहनों के साथ की छेड़छाड़ और मारपीट

लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र के बलसिंग खेड़ा गांव निवासिनी दो सगी बहनों ने अपने साथ हुई दो शोहदों द्वारा छेड़छाड़ , छींटाकशी सहित विरोध करने पर मारपीट की घटना को लेकर नगराम थाने पहुंची आरोप है कि नगराम कमिश्नरेट की पुलिस ने शोहदों पर कार्रवाई करने के बजाय दोनों बहनों समेत पिता को रात भर थाने में बैठा रखा और बृहस्पतिवार को शांति भंग का चालान कर दिया। नगराम थाना क्षेत्र के बलसिंग खेड़ा गांव निवासिनी सरिता तथा अंजली ने बताया कि वह बुधवार की शाम अपने खेतों से मोपेड से अपने घर के लिए लौट रही थी तभी पहले से घात लगाकर बैठे हंसराज और हेमराज दोनों लोगों ने हमसे छींटाकशी की और मेरी गाड़ी रोक कर छेड़छाड़ करने की कोशिश की जब विरोध किया तो लाठी डंडों से पिटाई करने लगे और धमकी देते हुए दोनों लोग मौके से भाग निकले। पीड़ित बहनों ने घटना की शिकायत महिला हेल्पलाइन सहित ११२ पर किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को थाना में तहरीर देने की बात कही। अपने साथ घटित हुई घटना जानकारी बहनों ने लिखित तहरीर के माध्यम से नगराम पुलिस को दी। इस घटनाक्रम नगराम पुलिस ने पीड़ित बहनों व पिता सहित दोनों पक्षों को रात भर थाने में बिठाए रखा था और बृहस्पतिवार को शांति भंग में चालान कर दिया। नगराम थाना प्रभारी मुहम्मद अशरफ ने चुनावी रंजिश का हवाला देते हुए पल्ला झाड़ लिया, दोनों पक्षों से लगभग एक दर्जन लोगों का शांति भंग में चालान कर दिया।

सिद्धार्थनाथ सिंह ने अखिलेश यादव पर बोला हमला

लखनऊ। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता और मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को किसानों का झूठा हमदर्द बताया है। उन्होंने यह भी कहा है कि इस महामारी के दौर में समाजवादी पार्टी के मुखिया किसानों का हितैषी बनते हुए ओछी राजनीति कर रहें हैं। यह वही लोग हैं जिन्होंने अपने शासनकाल में गन्ना किसानों के गन्ना मूल्य का पूरा भुगतान नहीं किया था। इसके बाद भी अब सपा नेता प्रदेश सरकार पर अनाप शनाप आरोप लगा रहा हैं। सूबे की जनता और किसान अब सपा नेताओं के झांसे में आने वाली नहीं है। सपा मुखिया अखिलेश यादव द्वारा गेहूं खरीद में भारी अनिमितताओं की सूचनाएं मिलने और किसान क्रय केन्द्रों पर किसानों के गेहूं के लिए धक्के खाने संबंधी बयान पर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता और मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने यह कहा है। सिद्धार्थनाथ सिंह के अनुसार, प्रदेश सरकार द्वारा इस महामारी के समय में कोरोना संक्रमित लोगों के इलाज को लेकर किए जा रहे प्रयासों और खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा लगातार जिले–जिले में जा कर कोरोना संक्रमित लोगों से मिलना सपा नेता को शायद भा नहीं रहा है। इसीलिए वह लगातार झूठे और जनता को भ्रमित करने वाले आरोप प्रदेश सरकार पर लगा रहें हैं। जिसके चलते पहले तो अखिलेश ने वैक्सीन को भाजपा का बताया

और इसके बारे में दुष्प्रचार किया। फिर उन्होंने वैक्सिनेशन के लिए नीति की बात की। इसके बाद उन्होंने वैक्सीन मुफ्त लगाने की बात कही। क्या अखिलेश को मालूम नहीं है कि ४५ वर्ष से ऊपर का वैक्सीनेशन केंद्र सरकार की तरफ से मुफ्त है और १८ से ४४ आयुवर्ग के लिए योगी सरकार मुफ्त लगाने की घोषणा कर चुकी है। और उक्त घोषणा के तहत अब यूपी में लोगों को वैक्सीन लग रही है। सिद्धार्थनाथ सिंह का कहना है कि वैक्सीन को लेकर जब सपा नेता का ऐसा दोहरा चरित्र सबके सामने आ गया तो अखिलेश किसानों का हितैषी बनते हुए यह कह रहे हैं कि गेहूं की सरकारी खरीद में घोर लापरवाही है और क्रय केन्द्र बंद होने की आम शिकायतें हैं। जबकि हकीकत यह है कि सूबे में ५६१७ क्रय केंद्रों पर गेहूं की खरीद किसानों से हो रही है और ४,४८,७८६ किसानों से २२८३६४३.६७ मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। किसानों को ३०६०.०७ करोड़ रुपए का भुगतान भी कर दिया गया है, शेष भुगतान भी किसानों को जल्द कर दिया जाएगा। इसलिए सपा नेता को तथ्यों की पड़ताल करके ही बयान जारी करना चाहिए। उन्हें गेहूं उत्पादक किसानों का हितैषी बन कर उन्हें भ्रमित नहीं करना चाहिए। वैसे सूबे के किसान तथा जनता को यह पता है कि सपा नेता बडबोले हैं और उन्होंने अपने शासनकाल के दौरान गन्ना किसानों को उनके गन्ना मूल्य का पूरा भुगतान नहीं किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सत्ता में आने के बाद गन्ना किसानों को उनके बकाया का भुगतान किया था। इसलिए बेहतर हो सपा नेता अखिलेश यादव किसानों का झूठ –मूठ का हितैषी बनना छोड़ दें।

मस्जिद को लेकर सियासत तेज, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को जाने से रोका गया

बाराबंकी। रामसनेहीघाट में ढहाए गए भवन को लेकर सियासत तेज हो गई है। गुरुवार को राम सनेहीघाट जा रहे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, पीएल पुनिया और नसीमुद्दीन सिद्दीकी समेत अन्य नेताओं को प्रशासन ने

रसौली के पास रोक लिया। उन्हें पुलिस लाइंस ले जाया जा रहा है। राम सनेहीघाट जाने से रोके जाने पर कांग्रेस नेताओं ने सरकार के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि सत्ता की ऐसी बेलगामी कभी नहीं देखी, कांग्रेस पार्टी अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगी। वहीं इसी प्रकरण में सपा के प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम डॉ आदर्श सिंह को सौंपा। इसमें ढहाए गए भवन को मस्जिद बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में कोरोना काल में वर्षों पुरानी मस्जिद को रातोंरात ढहाए जाने पर सवाल भी उठाए गए। डीएम को ज्ञापन देने और उनसे वार्ता के बाद सपा नेता पूर्व मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि डीएम से प्रकरण की निष्पक्ष जांच व दोषी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के संबंध में वार्ता हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पूरा देश कोविड महामारी से लड़ रहा है, आखिर कौन सी ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई कि रातों–रात १०० साल पुरानी मस्जिद शहीद कर दी गई।

शादी में अब सिर्फ २५ लोग ही हो सकेंगे शामिल

लखनऊ। राज्य में अब विवाह समारोह में अधिकतम २५ लोग ही शामिल हो सकेंगे। राज्य सरकार ने कोविड–१९ महामारी के मद्देनजर मंगलवार को यह आदेश जारी किया है। राज्य के गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने प्रदेश के सभी मंडल आयुक्तों, जिलाधिकारियों, क्षेत्रीय, परिक्षेत्रीय तथा जिला पुलिस प्रमुखों को भेजे गए निर्देश में कहा है कि कोविड–१९ की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर अब बंद या खुले स्थानों पर एक समय में अधिकतम २५ आमंत्रित अतिथि ही भाग ले सकेंगे। इस दौरान कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा। उन्होंने पत्र में कहा कि शादी में शरीक होने वाले मेहमानों को मास्क पहनना होगा, दो गज की दूरी, तथा सेनेटाइजर के उपयोग समेत कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार अन्य सावधानियां भी बरतनी होंगी। अवस्थी ने पत्र में कहा कि आयोजन स्थल पर आमंत्रित अतिथियों के बैठने की व्यवस्था में दो गज की दूरी के प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा। आयोजन स्थल पर शौचालयों में साफ सफाई और सेनेटाइजेशन की समुचित व्यवस्था करनी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन शर्तों के अनुपालन की पूरी जिम्मेदारी आयोजकों की होगी। गौरतलब है इससे पहले गत २० अप्रैल को राज्य सरकार ने सभी शादी समारोहों में बंद स्थानों पर अधिकतम ५० लोगों और खुली जगहों पर ज्यादा से ज्यादा १०० लोगों के ही कोविड–१९ प्रोटोकॉल का पालन करते हुए शामिल होने की अनुमति दी थी।

ऑक्सीजन के लिए भटक रहे मरीजों को मिलेगी राहत

लखनऊ। चिनहट स्थित महात्मा गांधी अस्पताल में १० दिनों में अक्सीजन प्लांट तैयार हो जाएगा। इस माड्यूलर अक्सीजन प्लान्ट की उत्पादन क्षमता ६०० लीटर प्रति मिनट होगी। आक्सीजन प्लांट से ६० बेड में एक ही समय पर निरन्तर आक्सीजन उपलब्ध करायी जा सकेगी। इसे एलएंडटी के सहयोग से तैयार किया जा रहा है। इस संबंध में जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने शिविर कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने डा. संजय भटनागर मुख्य चिकित्साधिकारी, डा. सुरेश पाण्डेय अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिनहट, पराग जैन ब्रान्च मैनेजर एलएण्डटी, अभिनव शंकर मैनेजर एलएण्डटी की उपस्थिति में अक्सीजन प्लांट स्थापित किए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि मुख्य चिकित्साधिकारी एलएंडटी के ब्रांच मैनेजर के साथ समन्वय स्थापित कर समस्त औपचारिकताएं पूरी कर १० दिनों में प्लांट तैयार कराएं। उन्होंने एलएंडटी को अपने डोनेशन फंड के माध्यम से मोबाइल टेस्टिंग वैन व ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कोरोना से मौत पर मुआवजा व अनाथ बच्चों को मुफ्त शिक्षा दे सरकार : संजय सिंह

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने महामारी में गरीब–मजदूरों की मदद को लेकर योगी सरकार को घेरते हुए मुख्यमंत्री को दिल्ली सरकार से सीख लेने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि कोरोना से मौत पर ५० हजार मुआवजा, अनाथ बच्चों को फ्री शिक्षा और पेंशन देकर दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने कोरोना काल में सराहनीय काम किया है। आपदा के इस काल में योगी आदित्यनाथ को कोरोना से मौत पर मुआवजा, अनाथ बच्चों को फ्री शिक्षा और पेंशन देने की घोषणा करनी चाहिए। आप सांसद ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार मौत का आंकड़ा छुपा रही है, लेकिन गांव–गांव में जो श्य सामने आ रहे हैं वो अत्यंत भयावह हैं। प्रदेश के लगभग हर जिले में कोरोना

के कारण लोगों की मौत हो रही हैं। इसीलिए श्मशान में लाशों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। लोगों के पास अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करने का इंतजाम नहीं है। उनको लकड़िया नसीब नहीं हो रहीं। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाएं सही रूप से जमीन पर लागू नहीं हो पा रही हैं। सरकार से बगैर विलंब किए ७५ जिलों में सभी ब्लक स्तर पर करोना की जांच केंद्र खोलने के साथ ही दाह संस्कार के लिए लकड़ी का इंतजाम न करने वाले जिले के डीएम व प्रशासन के अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की है। इस मौके पर आप सांसद ने कोरोना महामारी से जूझ रही जनता की मदद के लिए आम आदमी की रसोई की शुरुआत करते हुए कहा कि इसके माध्यम से आपदा के इस काल में हर जरूरतमंद को भोजन मुहैया कराया जाएगा।

यूपी के राज्यमंत्री विजय कश्यप का कोरोना से निधन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री विजय कश्यप का कोरोना संक्रमण से निधन हो गया है। तबीयत बिगड़ने के बाद से वह गुरुग्राम के मेदांता हस्पिटल में भर्ती थे। जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। वह २६ अप्रैल को कोविड पजिटिव हुए थे और तभी से अस्पताल में एडमिट थे। उनके निधन की खबर से उनके प्रशंसकों और करीबियों के बीच शोक की लहर दौड़ गई है। विजय कश्यप यूपी के मुजफ्फरनगर के चरथावल विधानसभा से विधायक थे। विजय कश्यप योगी सरकार में बाढ़ एवं नियंत्रण राज्य मंत्री थे। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण से पिछले एक महीने में एक मंत्री समेत बीजेपी के पांच विधायकों की जान जा चुकी है। २३ अप्रैल को लखनऊ पश्चिम के विधायक सुरेश श्रीवास्तव और औरैया के रमेश चंद्र दिवाकर, २८ अप्रैल को बरेली के नवाबगंज से विधायक केसर सिंह गंगवार, ७ मई को रायबरेली की सलोन विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक व पूर्व मंत्री दल बहादुर कोरी और १७ मई को मंत्रीध विधायक विजय कश्यप का कोरोना संक्रमण से निधन हो गया था।

किसान आंदोलन : आंधी व बारिश से धरना स्थल को हुआ नुकसान, अब करेंगे पक्का निर्माण

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर के बाद भी देश में किसानों का आंदोलन पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ. केंद्र सरकार की लाख प्रयासों

के बाद भी किसान अपने आंदोलन पर डटे रहे. इतना ही नहीं रिपोर्ट मेंम ये बात सामने भी आई थी कि आंदोलन के कारण हरियाणा में कोरोना के प्रसार में सहयोग हुआ है. अब एक बार फिर से किसान आंदोलन को लेकर किसान नेता के सख्त तेवर दिखा रहे हैं. किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा है कि हम अपनी मांगों से पीछे हटने वाले नहीं हैं. उन्होंने कहा कि अभी तो ६ महीने ही हुए हैं. हम तो २०२४ तक आंदोलन जारी रखने के लिए तैयार हैं. जब तक तीनों कृषि कानून वापस नहीं होंगे तब तक वह पीछे नहीं हटेंगे. राकेश टिकैत बृहस्पतिवार को ेंषि कानून विरोधियों के धरना स्थल पर पहुंचे थे. उन्होंने बुधवार को आई आंधी व बारिश से धरना स्थल पर हुए नुकसान का जायजा लिया. टिकैट ने कहा कि धरना स्थल पर आंधी और बारिश से काफी नुकसान हुआ है यदि संभव हुआ तो हम पक्का निर्माण कराएंगे. टिकैत ने कहा कि हिसार में सरकार व पुलिस द्वारा जो किया गया वह ठीक नहीं था. जो किसान घायल हुए है क्या सरकार उनकी शिकायत पर भी पर्चा दर्ज करेगी. उन्होंने कहा कि आंदोलन से बहुत सीखा है. आंदोलन ने उन्हें एकजुटता व मजबूती सिखाई है .कोरोना बीमारी का रास्ता अस्पताल जाता है और किसान आंदोलन का रास्ता संसद जाता है. दोनों के रास्ते पूरी तरह से अलग हैं. उन्होंने कहा कि वैक्सीन सरकार के पास है और ठीकरा किसानों पर फोड़ा जा रहा है. सरकार कैंप लगा कर वैक्सीन लगवाए, किसी ने इंकार नहीं किया है. टिकैट ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि केंद्र सराकर लगातार झूठ बोल रही है. सरकार के पास वैक्सीन तो है नहीं लोगों को क्या लगवाएंगे. किसानों को तो सिर्फ बदनाम किया जा रहा है. आगामी २६ मई को देश भर में काला दिवस मनाया जाएगा. आंदोलन के बारे में बात करते हुए टिकैट ने कहा कि हालात कुछ भी हो जबतक हमारी मांगें पूरी नहीं होगी तबतक हम आराम से बैठने वाले नहीं हैं हम महीने नहीं सालों का सोचकर घर से निकले हैं।

सिंगापुर ने अरविंद केजरीवाल के दावे को किया खारिज, ट्वीट के बाद खामोश है सीएम

नई दिल्ली। भारत के कुछ राज्यों में कोरोना के मामले कम होने लगे है। लेकिन खतरा पूरी तरह से टला नहीं है। कल दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सिंगापुर में आये कोरोना के नये रूप को लेकर अलर्ट किया था। लेकिन इस दावे को सिंगापुर ने खारिज किया है। सीएम केजरीवाल ने सिंगापुर में कोरोना के नये रूप को बेहद खतरनाक बताया था। लेकिन अब भारत में सिंगापुर के राजदूत ने जवाब देते हुए कहा है कि इस दावे में कोई सच्चाई नहीं है। सिंगापुर में कोरोना का कोई भी नया रूप नहीं है। दिल्ली में कोरोना के मामले कम होने लगे है। लेकिन दिल्ली में कोरोना अब बच्चों पर भी असर डाल रहा है। दिल्ली में कोरोना से दो बच्चों का मौत हो गई है। अरविंद केजरीवाल ने सिंगापुर के नये स्ट्रैन को भारत में तीसरी लहर का आगमन कहा था। विशेषज्ञों ने भी कहा था कि भारत में तीसरी लहर का आना तय है। लेकिन कब आएगी यह निश्चित नहीं बताया । केजरीवाल के बयान पर सिंगापुर के उच्चायुक्त ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है कि इस बात में कोई सच्चाई नहीं है कि सिंगापुर में COVID का नया स्ट्रेन मिला है। सिंगापुर में फाइलोजेनेटिक टेस्ट में मिला B.१.६१७.२ वैरिएंट बच्चों सहित कोरोना के ज्यादातर मामलों में प्रबल है। उच्चायुक्त के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से किए गए इस ट्वीट के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री की कोई भी प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं, विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अरविंद केजरीवाल की चिंता के जवाब में कहा कि सिंगापुर के हालात पर केंद्र सरकार की नजर है और सभी सावधानियां बरती जा रही हैं। पुरी ने ट्वीट करके कहा कि सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मार्च २०२० से ही बंद हैं। सिंगापुर के साथ हमारा एयर बबल समझौता भी नहीं है। दरअसल, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल मंगलवार ने ट्वीट कर लिखा था कि सिंगापुर में आया कोरोना का नया रूप बच्चों के लिए बेहद खघ्तरनाक बताया जा रहा है, भारत में ये तीसरी लहर के रूप में आ सकता है। केंद्र सरकार से मेरी अपील है कि सिंगापुर के साथ हवाई सेवाएं तत्काल प्रभाव से रद्द की जाएं और बच्चों के लिए भी वैक्सीन के विकल्पों पर प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाए।

पिनरई विजयन २० मई को लेंगे केरल के मुख्यमंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली। २० मई को केरल में पिनरई विजयन के नेतृत्व में माकपा नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार का सेंट्रल स्टेडियम में शपथ ग्रहण समारोह होने जा रहा है. इस समारोह के बारे में विजयन ने बताया कि कोविड–१६ नियमों का पालन करते हुए २० मई को दिन के साढ़े तीन बजे शपथ ग्रहण समारोह होगा. पिनरई विजयन ने हाल ही में विधानसभा चुनाव में वाममोर्चा को लगातार दूसरी बार जीत दिलाकर इतिहास रचा है. ५०० मेहमान होंगे शामिल२० मई को होने वाले इस समारोह में मुख्यमंत्री समेत २१ मंत्रियों को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे. पिनरई विजयन ने बताया कि, इस

समारोह में ५०० मेहमानों को आमंत्रित किया गया है. ऐसे में कोरोना गाइडलाइन को ध्यान में रखते हुए ५०,००० लोगों की बैठक वाले स्टेडियम में सभी मेहमानों के बैठने की व्यवस्था की गई है. उन्होंने बताया कि १४० नवनिर्वाचित विध ायकों के अलावा राज्य के २६ सांसद, न्यायपालिका एवं मीडिया प्रतिनिधियों को भी इस समारोह के लिए निमंत्रण भेजा जाएगा. एक आदेश के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह स्थल पर प्रवेश केवल पास धारक को ही जाने की अनुमति होगी तथा मंच पर एवं नीचे भी बैठने की व्यवस्था कोरोना नियमों के अनुसार होगी. इस आदेश के अनुसार, सभी को कोरोना निगेटिव रिपोर्ट या कोरोना वैक्सीन का अंतिम प्रमाणपत्र दिखाना जरूरी होगा, तभी उन्हें प्रवेश दिया जाएगा.

25 मई को होगी रालोद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के अध्यक्ष चौधरी अजित सिंह के निधन के बाद अब २५ मई को पार्टी को बागडोर उनके पुत्र जयंत चौधरी को सौंपने की तैयारी है। जयंत चौध ारी अभी तक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग २५ मई को बुला ली गई है। कोरोना गाइडलाइन के चलते यह मीटिंग वर्चुअल रखी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित करने की अनुमति निर्वाचन आयोग से मांगी गई है। आयोग से हरी झंडी मिलने पर आगामी २५ मई को अध्यक्ष पद पर जयंत की ताजपोशी संभावित है। बता दें कि राष्ट्रीय लोक दल के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह का बीते दिनों निध ान हो गया। वह कोरोना से संक्रमित हो गए थे और गुरुग्राम के आर्टिमिस अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। रालोद के मुखिया और पूर्व केंद्रीय मंत्री ८२ वर्ष के थे।

तिरुपति बाला जी के भिखारी के कोरोना संक्रमण से मौत के बाद मिले इतने पैसे की सब रह गये हैरान

नई दिल्ली। भारत में कई बार ऐसे किस्से सुनने को मिलते हैं जो चौंकाने वाले होते हैं. ऐसा ही एक मामला तिरुपति बाला जी मंदिर में भीख मांगने वाले भिखारी का सामने आया है. जानकारी के अनुसार साल २०२० में कोरोना संक्रमण की वजह से ६४ साल के एस. श्रीनिवासन की मौत हो गयी थी. जब उनके घर की तलाशी ली गई तो जो सामने आया उससे लोगों की हैरानी का कोई ठिकाना नहीं रहा. घर की तलाशी ली गयी, तो वहां से दो संदूको में भरे ढेर सारे पैसे मिले. बता दें कि तिरुपति बाला जी मंदिर में रहने वाले एक काफी प्रसिद्ध व्यक्ति (भिखारी) थे. लोगों का कहना था कि उनका व्यवहार ऐसा था कि यहां आने वाले लोग इनसे खुश हो जाते थे. यहां कारण है कि श्रीनिवासन को आम लोगों के साथ ही बड़ी–बड़ी हस्तियों से भी भीख मिलती थी. श्रीनिवासन को भीथ देने वालों में बलीवुड की मशहुर अदाकारा दीपिका पादुकोण का नाम भी शामिल था. जानकारी के अनुसार जब दीपिका यहां दर्शन के लिए आयी थी तो श्रीनिवासन उनके पीछे पीछे गए और दक्षिणा लेकर ही माने थेमंदिर के आस–पास रहने वाले लोगों का कहना है कि एस श्रीनिवासन साल १९८० से यहां रह रहे थे. जब इस इलाके को और विकसित करने की योजना बनी तो साल २००८ में उन्हें घर दे दिया गया. उनके निधन के बाद यह देखा गया कि कुछ लोग उनके घर पर कब्जा करने में लगे हैं. इसके बाद प्रशासन एक्टिव हुआ और उनके घर की तलाशी का फैसला लिया. श्रीनिवासन के परिवार में उसके निधन के बाद कोई सामने नहीं आया जो उनकी संपत्ति पर दावा पेश करता. उनके घर की तलाशी ली गयी . यहां दो संदूकों में भरा हुआ पैसा प्रशासन के हाथ लगा. पुलिस को यहां से लगभग ६,१५,०५० रुपये मिले साथ ही २५ किलो की वजन का सिक्का भी बरामद किया गया.बता दें कि देश में ऐसे कम ही मंदिर हैं जो अपने चढावे के लिए जाने जाते हैं, ऐसे ही मंदिरों में से एक है तिरुपति बाला जी का धाम. तिरुपति बाला जी मंदिर में श्रीनिवासन की पहचान अलग थी . दो बड़े संदूकों में भारी रकम मिलने के बाद जिला प्रशासन कोषागार में ले गयी ले लिया है. श्रीनिवासन वीआईपी भक्तों का पीछा तबतक नहीं छोड़ते थे जबतक की उनके माथे पर तिलक लगा कर भेंट ना मिले. उनके निधन के बाद

जब पड़ोसियों को लगा कि उनके घर पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है, तो इसकी सूचना टीटीडी के अधिकारियों और पुलिस को दी गयी. अधिकारियों ने जब श्रीनिवासन के घर की तलाशी ली तो इतनी बड़ी राशि देखकर वो भी हैरान रहे गये. श्रीनिवासन का स्वभाव बेहद विनम्र था वो सबसे बड़े प्यार से बात करते थे लेकिन किसी को भी उन्हें देखकर यह नहीं लगता था कि इनके पास लाखों रुपये होंगे।

अद्भुत मशरूम : डेढ़ लाख रूपये किलो मशरूम

अमरेन्द्र सहाय अमर

मशरूम हमारी सेहत के लिए बहुत गुणकारी है. मशरूम कई तरह के होते हैं, जिनमें से कुछ खाने लायक होते हैं और कुछ नहीं. कुछ ऐसे भी मशरूम होते हैं जो जहरीले होते हैं. इन्हेंह खाने से आपकी तबियत खराब हो सकती है. मशरूम में प्रोटीन, विटामिन क,फाइबर, अमीनो एसिड, जर्मेनियम, सेलेनियम और जिंक जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. यही नहीं यह नैचुरल एंटी ऑक्सींडेंट होने के साथ ही एंटीवायरल गुणों से भरपूर है. चीन में तो इस औषधि का दर्जा दिया गया है. वहीं रोम के लोग मशरूम को भगवान का भोजन मानते हैं. लेकिन आज हम जिस मशरूम की बात करने ज रहे है वह बहुत ही गुणकारी और काफी मंहगा है . गुजरात के वैज्ञानिकों ने इस मशरूम उगाकर इतिहास रचा है. इस मशरूम की कीमत डेढ़ लाख रुपये प्रति किलो बताई जा रही है. यह मशरूम खाने के अलावा कैंसर की दवाओं में भी विशेष रूप से उपयोगी है. अब तक आपने बाजार से मशरूम यूं ही कोई ४०० या ५०० रुपये किलो तक खरीदा होगा. इसका स्वाद आपके जायके को जानदार बना देता है, लेकिन आज हम आपको ऐसे मशरूम की कहानी बयां करने जा रहे हैं, जिसे पढ़कर या सुनकर आप भी चौंक जाएंगे. देखने में यह मशरूम भले ही आपको सामान्य लग रहा हो, लेकिन यह दुनिया का सबसे महंगा मशरूम है. सिर्फ स्वाद ही नहीं बल्कि दवाओं में भी इसका काफी महत्व है. खासकर कैंसर की दवाओं में इस मशरूम का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है. कच्छ स्थित गुजरात इंस्टीट्यूट अफ डेजर्ट इकोलजी के वैज्ञानिकों ने विशेष मशरूम कोर्डिसेप्स मिलिटरिस की खेती कर नई कामयाबी हासिल की है. इस विशेष मशरूम की कीमत डेढ़ लाख रुपये प्रति किलो है. संस्थान के वैज्ञानिकों ने एक निश्चित तापमान में ३५ जार में मशरूम को ६० दिनों के भीतर तैयार किया है.दरअसल, विशेष मशरूम कर्डिसेप्स मिलिटेरिस का इस्तेमाल दवाओं में भी किया जाता है. स्तन कैंसर के लिए बनने वाली दवाओं में इस मशरूम का इस्तेमाल होता है. चीन और तिब्बत हर्बल दवाओं में इसका ज्यादा उपयोग करते हैं. संस्थान के निदेशक के अनुसार कर्डिसेप्स मिलिटेरिस नामक मशरूम को हिमालयी सोना कहा जाता है. इसमें स्वास्थ्य के कई फायदे हैं और शायद जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारी को रोकने की अद्भुत क्षमता है. संस्थान ने इस मशरूम के एंटीट्यूमर पहलू का अध्ययन किया है. शुरुआती जांच से पता चला है कि इस मशरूम का अर्क गजब के नतीजे दे सकता है. संस्थान के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक के अनुसार लोगों पर मेडिकल ट्रायल करने के लिए नियामक मंजूरी मांगी गई है. उम्मीद है कि जल्द ही मंजूरी मिल जाएगी. उन्होंने बताया कि प्रोस्टेट कैंसर पर इसके प्रभाव के बारे में शोध किए जा रहे हैं, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से फिलहाल इसे रोका गया है. गाइड संस्थान ने सफलतापूर्वक विशेष प्रजाति के मशरूम उगाने के बाद कारोबारियों को प्रशिक्षण देने का फैसला किया है. संस्थान का मानना है कि प्रशिक्षण देने के बाद लोग बड़े पैमान पर इसके जरिए रोजगार अर्जित सकते हैं. हालांकि लैब सतह पर मशरूम की खेती के प्रशिक्षण की कीमत काफी महंगी है. एक सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए एक लाख रुपये देने होंगे, लेकिन संस्थान सामान्य शुल्क पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है. मशरूम आपकी सेहत के लिए बहुत गुणकारी है. मशरूम कई तरह के होते हैं, जिनमें से कुछ खाने लायक होते हैं और कुछ नहीं. ऐसे मशरूम हैं जिन्हें आप खा सकते हैं. वहीं सभी मशरूम ऐसे नहीं होते जिन्हें आप खा सकें. कुछ ऐसे भी मशरूम होते हैं जो जहरीले होते हैं. इन्हें खाने से आपकी तबियत खराब हो सकती है. मशरूम में प्रोटीन, विटामिन, फाइबर, अमीनो एसिड, जर्मेनियम, सेलेनियम और जिंक जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. यही नहीं यह नैचुरल एंटी ऑक्सींडेंट होने के साथ ही एंटीवायरल गुणों से भरपूर है. चीन में तो इसेऔषधि का दर्जा दिया गया है. वहीं रोम के लोग मशरूम को भगवान का खाना मानते हैं।

दो लापता नाबालिग 08 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद अभियुक्त गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। थाना निघासन पर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बोधिाया कलां निवासी दो नाबालिग किशोरियों को गांव का ही युवक रामनरेश पुत्र रामाश्रय बहला फुसलाकर अपने साथ कहीं लेकर चला गया है। सूचना पर थाना निघासन पर तत्काल सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक खीरी विजय ढुल द्वारा प्रकरण की गंभीरता के ष्टिगत घटना के अनावरण एवं किशोरियों के सकुशल बरामदगी हेतु क्षेत्राधिकारी निघासन के नेतृत्व में ०३ टीमों का गठन किया। पुलिस टीम के अथक प्रयास, इलेक्ट्रनिक साक्ष्यों व ह्यूमन इटेंलिजेंस के परिणामस्वरूप ०८ घंटे के अन्दर दोनों किशोरियों की सकुशल बरामदगी करते हुए अभियुक्त रामनरेश उपरोक्त को गिरफ्तार किया गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस के इस सराहनीय कार्य हेतु परिवारीजनों द्वारा तहे दिल से आभार प्रकट किया गया है एवं क्षेत्रीय जनता द्वारा मुक्त कंठ से प्रशंसा की जा रही है।

नोडल अधिकारी ने किया सीएचसी रमियाबेहड़ का औचक निरीक्षण, दिए निर्देश

तहसील मितौली की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेहजम का औचक निरीक्षण कर चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की पड़ताल की। वैक्सीनेशन टीम ने नोडल अधिकारी के पूछने पर बताया कि आज ६० लोगों (दस को फर्स्ट डोज व पचास व्यक्तियो को सेकंड डोज) का वैक्सीनेशन हुआ। इस दौरान नोडल अधिकारी ने कोल्ड चौन कक्ष, प्रसव कक्ष, टीकाकरण कक्ष, अब्सर्वेशन कक्ष सहित पूरे परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधीक्षक से दवाओं, मेडिकल किट की उपलब्धता जानी। सभी ०४ गठित रैपिड रिस्पस टीम का मूवमेंट व प्रतिदिन होने वाले आरटीपीसीआर व एंटीजन सैंपलिंग की संख्या जानी। एमओआईसी ड अनिल ने बताया कि वर्तमान में ४५ लोग होम आइसोलेशन में है, जिनकी बराबर निगरानी की जा रही। इस दौरान उन्होंने अधीक्षक कक्ष में विभिन्न पंजिकाओं का अवलोकन कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने एमओआईसी से पूछा वह स्वयं दिन में कितने संक्रमित मरीजों से बातचीत कर हाल–चाल जानते हैं। उन्होंने कहा कि टेस्टिंग, टेस्टिंग, ट्रीटमेंट एवं वैक्सीनेशन पर फोकस करें। हर सिंप्टोमेटिक व्यक्ति को मेडिकल किट मुहैया कराएं।

चुनावी रंजिश में दबंगों का परिवार पर हमला, एक की मौत आधा दर्जन घायल

कृष्ण कुमार शुक्ला

बेहजम–खीरी। थाना नीमगांव थाना क्षेत्र के बेहजम चौकी के पिपरीकलां गांव में चुनावी रंजिश को लेकर दबंगों ने गांव के एक परिवार पर लाठी डंडे और धारदार हथियार से लैस होकर हमला बोल दिया। हमले के वक्त परिवार खाना खा रहा था। जिसमें आधा दर्जन लोग गम्भीर रुप से घायल हो गये। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर प्राथमिक उपचार हेतु बेहजम सीएचसी में लाया गया जिन्हें हालात गंभीर होने के कारण जिला अस्पताल रिफर किया गया। वहां उपचार के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गयी।जानकारी के अनुसार पिपरीकलां गांव में करीब दो ढाई साल से पुलिस के पक्षों के आपसी विवाद के तीन चार मामलों में मुकदमा दर्ज हो चुके हैं। फिर भी पिपरीकलां गांव विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीती रात मृतक शिवराज कश्यप अपने परिवार के साथ खाना खा रहा था। तभी चुनावी रंजिश को लेकर सर्वेश रोहित पिंकू कैलाश सहित आधा दर्जन लोग लाठी डंडे और धारदार हथियार से हमले कर पूरे घर की महिला सहित कई सदस्यों को घायल कर दिया। जिसमें इलाज के दौरान जिला अस्पताल में शिवराज उम्र करीब ४५ वर्ष की मौत हो गयी। मृतक शिवराज के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया ।मृतक शिवराज के भाई राजेंद्र ने नीमगांव पुलिस को सर्वेश पिंकू कैलाश रोहित सहित एक दर्जन लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस इस घटना को चुनावी रंजिश न मानकर आपसी रंजिश की बात कह रही है। इस घटना के बारे इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह ने बताया कि घटना से सम्बंधित तहरीर के आधार आरोपियों के खिलाफ हत्या और मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया इस मामले में पांच लोगों की गिरफ्तारी कर घटना की जां की जा रही है।

शिक्षकों को शपथपत्र के आधार दिया जा सकेगा वेतन, अपर मुख्य सचिव ने जारी किया आदेश

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित प्राथमिक विद्यालयों में ६६ हजार भर्ती के तहत नियुक्ति पाये शिक्षकों को अब वेतन मिलने में आसानी होगी। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव ने बुधवार को आदेश जारी करते हुए महानिदेशक विजय किरण आनंद को निर्देश दिया कि कोरोना संक्रमण काल के चलते विश्वविद्यालय बंद चल रहे हैं, ऐसे में उनके बीएड और स्नातक अभिलेखों के सत्यापन नहीं हो पा रहे हैं, इस स्थिति में शिक्षकों से शपथ पत्र लेकर वेतन जारी किया जाना चाहिए। बता दें कि ६६ हजार शिक्षक भर्ती के तहत नियुक्ति पाये अधिकांश शिक्षकों के अभिलेखों का सत्यापन विश्वविद्यालयों की ओर से नहीं हो पाया है। काफी संख्या में दसवीं और बारहवीं के ही सत्यापन आनलाइन हुए हैं। इस स्थिति में शिक्षकों को तीन दिन बीत जाने के बाद भी वेतन

नहीं मिला है, जिसके चलते शिक्षकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में शिक्षकों ने मांग की थी उनका वेतन जारी किया जाये। अभिलेखों में त्रुटि निकली तो होगी सख्त कार्रवाई अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार ने बताया कि शपथपत्र के आधार पर शिक्षकों को वेतन दिए जाने का आदेश दिया गया है, उसके बाद जब भी सत्यापन रिपोर्ट आती है और अभिलेखों में त्रुटि पायी जाती है तो ऐसे शिक्षकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी साथ ही मुकदमा दर्ज करवाकर वेतन भी रिकवर किया जायेगा। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि शिक्षक जो शपथपत्र देंगे उसकी मूल प्रति डिजिटल छायाप्रति बेसिक शिक्षा अधिकारी की ओर से सचिव परिषद को भेजी जायेगी। शपथपत्र की कपी प्रयागराज कार्यालय को संभालकर रखना होगा। इसके साथ शपथपत्र में यह भी लिखना होगा कि यदि उनके अभिलेख त्रुटिपूर्ण हैं तो वह कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटायेंगे।

बैंक आफ इंडिया ने सहायक मैनेजर को कध्यिा निलंबित

लखनऊ। रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी में मंगलवार रात मडियांव पुलिस ने जिस बैंककर्मी को पकड़ा था वह बैंक आफ बड़ौदा का नहीं बल्कि बैंक आफ इंडिया का कर्मचारी निकला। इंस्पेक्टर मडियांव मनोज कुमार सिंह्न के मुताबिक आरोपित ने खुद को बैंककर्मी बताया था।

गलतफहमी में मीडिया को दिए गए बयान में आरोपित को बैंक आफ बड़ौदा का कर्मी बता दिया था। उध ार, बैंक आफ इंडिया के महाप्रबंधक बृजलाल का कहना है कि आरोपित बैंक अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। किसी भी अधिकारी व कर्मचारी के ऐसे किसी कृत्य से बैंक का कोई वास्ता नहीं है। गौरतलब है कि पुलिस टीम ने आरोपित बांके बिहारी के पास से १२ रेमडेसिविर इंजेक्शन बरामद किए थे। बांके बिहारी १५ से २० हजार रुपये में इंजेक्शन की कालाबाजारी करता था। आरोपित इंटरनेट मीडिया के जरिए लोगों से संपर्क करता था। इसके बाद अपने ठिकाने पर बुलाकर इंजेक्शन बेचता था। एक पीड़ित की सूचना पर आरोपित को गिरफ्तार किया गया। पुलिस बांके बिहारी के अन्य साथियों का पता लगा रही है। यह जानकारी की जा रही है कि आरोपित के साथ और कौन लोग शामिल थे और वह कहां से इंजेक्शन मंगवाता था।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

तूफान से अमिताभ बच्चन के जनक को हुआ भारी नुकसान

मुम्बई। अरब सागर से उठे तुफान ताउते ने देश भर में भारी नुकसान पहुंचाया है। महाराष्ट्र में ताऊते ने भारी तबाही मचाई है। इसी में अभिताभ बच्चन भी शामिल है। ताऊ ते ने अभिताभ बच्चन के अफिस जनक को भारी नुकसान पहुंचाया है।बीगबी ने यह जानकारी खुद अपने ब्लग पर एक स्टेटमेंट जारी कर दी है। महाराष्ट्र में ताऊते सोमवार को आया था और लोगों को घर तबाह कर चला गया। महाराष्ट्र में अभी हालत का जायजा लिया जा रहा है। और स्थित नियंत्रण में लेने की कोशिश की जा रही है। अभिताभ बच्चन ने बताया कि कल रात उनके अफिस 'जनक' में पानी भर गया। वहीं उनके स्टाफ मेंबर्स के लिए अफिस में बने शेल्टर एरिया भी तेज हवाओं से उड़ गए। साथ ही अमिताभ ने यह भी बताया कि इस दौरान उन्होंने अपनी खुद की कपड़ों की अलमारी अपने स्टाफ मेंबर्स को दे दी थी। जिन्होंने नुकसान की मरम्मत में मदद की और इस प्रक्रिया में भीग गए थे। अमिताभ बच्चन ने ब्लग में लिखा, "चक्रवात के बीच एक भयानक सन्नाटा है। पूरे दिन तेज हवा और तेज बारिश पेड़ गिरे, हर जगह लीकेज, संवेदनशील 'जनक' अफिस में बाढ़। भारी मनसून की बारिश के लिए लगाए प्लास्टिक कवर शीट भी फट गए। शेड्स टूट गईं और कुछ कर्मचारियों के लिए अफिस में बने शेल्टर एरिया भी उड़ गए। लेकिन, सभी में अजेय लड़ाई की भावना है। सभी एक दूसरे की मदद कर रहे हैं। भीगने वाली परिस्थितियों में भी मरम्मत करने का काम जारी है।" अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा, "ऐसी परिस्थितियों में भी कर्मचारी अद्भुत हैं। उनकी यूनिफर्म पूरी गीली होने के बाद भी उन्होंने काम करना जारी रखा। इस संघर्ष

में मैंने उन्हें अपनी कपड़ों की अलमारी दे दी थी, क्योंकि नुकसान की मरम्मत में वे पूरी तरह भीग गए थे। अपने प्रशंसकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं।" अमिताभ ने सोशल मीडिया पर भी एक पोस्ट शेयर कर लिखा, "चक्रवात ताऊ ते की तेज हवाओं और बारिश ने बहुत नुकसान पहुंचाया है। सभी के सुरक्षित और संरक्षित होने के लिए प्रार्थना करता हूं। महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु और साउथ का समुद्री एरिया में भयंकर तबाही मचाई है। अभी गुजरात में आ सकता है। राजस्थान में भी अलर्ट लागू हो चूका है। राजस्थान में ताऊ ते की वजह से सुबह से आंध ी और बारिश हो रही है। सबसे ज्याद प्रभावित समुद्री इलाकों में ही पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर हाई लेवल मीटिंग भी की है। इस चक्रवात के तूफान में बदलने की आशंका बताई जा रही है। गुजरात में यह तूफान भारी क्षति पहुंचा सकता है। ताऊ ते की वजह से कई लोगों की जान भी जा चुकी है। मुंबई में भारी बारिश का अरेंज अलर्ट अभी भी जारी है।

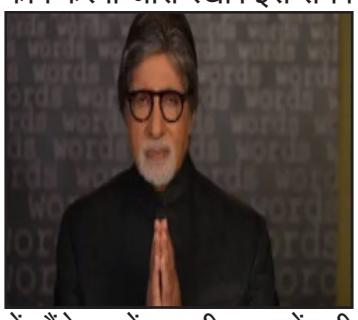

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

अरिजीत सिंह की मां ने कोरोना से हारी जंग

मुम्बई। अपनी आवाज से लाखो लोगो को दीवाना बना देने वाले अरिजीत सिंह आज बेहद गमगीन है। अरिजीत सिंह की मां का कोरोना से निधन हो गया है। वह कोरोना संक्रमित थी। कोरोना की वजह से उनके सेहत लगातार खराब हो रही थी, जिसकी बाद उन्हें कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहीं आज इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। कोलकता में कोरोना से हालत बेहद खराब है। भारत के कुछ राज्यों में कोरोना के मामले कम जरूर हो रहे है लेकिन मौतों का आंकड़ा नहीं रूक रहा है। सरकारों ने अपनी तरफ से अथक प्रयास कर लिए है फिर भी कोरोना का राक्षस नियंत्रण में नहीं हो रहा है। आपको बता दें कि बीते दिनों 'दिल बेचारा' फेम एक्ट्रेस

स्वास्तिका मुखर्जी ने ट्वीट किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि गायक अरिजीत सिंह की मां की तबीयत खराब है और उन्हें।— ब्लड की जरूरत है। जिसके बाद सामने आया था कि सिंगर अरिजीत सिंह की मां बीमार हैं। सिंगर की मां के निधन से पूरे बॉलीवुड में शोक की लहर है। अरिजीत सिंह अपनी मां के बेहद करीब थे। इस बात से अरिजीत सिंह सदमे में है। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार (२० मई) की सुबह अरिजीत सिंह की मां की तबीयत बिगड़ने लगी और सुबह ११ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि वह वो कुछ दिनों से म्ब्ढ पर थीं और उनकी हालत क्रिटिकल थी। लाख कोशिशों के बाद भी डॉक्टर्स उन्हें नहीं बचा सके। अंत में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। अपने गानों से लोगों को प्यार का दर्द समझाने वाले मशहूर गायक अरिजीत सिंह ने बॉलीवुड की कई सुपरहिट गानों को अपनी आवाज दी है। रियलिटी शो 'फेम गुरुकुल' से लाइम लाइट में आने वाले सिंगर अरिजीत सिंह को पहचान फिल्म 'आशिकी २' के गाने से मिली। इसके बाद इन्होंने पलटकर पीछे नहीं देखा। ए दिल मुश्किल, कबीरा, सुनो ना संगमरमर, मस्त मगन, हमदर्द जैसे गीतों से लोगों के दिलों में खास जगह बनाने वाले अरिजीत सिंह नेशनल अवॉर्ड भी जीत चुके हैं।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक